समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

भिवंडी मे मंराठी पर बयान ने मचाई हलचल : अबू आजमी पर नवनीत राणा का हमला

Publisher

Published on 01 Oct 2025

महाराष्ट्र के भिवंडी शहर में समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी के बयान ने राजनीति और भाषा प्रेमियों के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। अबू आजमी ने हाल ही में भिवंडी में कहा था कि इस क्षेत्र में मराठी भाषा की कोई आवश्यकता नहीं है। उनके इस बयान ने लोगों में गहरी नाराजगी और चिंता पैदा कर दी।

भिवंडी महाराष्ट्र के उस क्षेत्र में आता है, जहाँ मराठी भाषा का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ की स्थानीय जनता मराठी भाषा को अपनी पहचान मानती है। ऐसे में किसी राजनीतिक नेता का यह बयान समाज में असंतोष और विरोध का कारण बन गया। स्थानीय मराठी समुदाय ने इस बयान को सीधे तौर पर उनके सांस्कृतिक अधिकारों और भाषा प्रेम पर हमला मानते हुए विरोध जताया।

सियासी माहौल भी इस बयान के बाद गरमा गया। नवनीत राणा ने अबू आजमी के इस बयान पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि किसी भी नेता को महाराष्ट्र की भाषा और संस्कृति का अपमान करने का अधिकार नहीं है। नवनीत राणा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यदि अबू आजमी को मराठी भाषा पसंद नहीं है तो उन्हें महाराष्ट्र छोड़ देना चाहिए। उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया और इसे महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया मोड़ माना जा रहा है।

भिवंडी के स्थानीय नेताओं और समाजसेवियों ने भी अबू आजमी के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि मराठी भाषा केवल एक माध्यम नहीं बल्कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान है। इसे किसी भी राजनीतिक बयान के बहाने अनदेखा करना उचित नहीं है। इससे भिवंडी के सामाजिक ताने-बाने पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह बयान केवल भाषा पर विवाद नहीं बल्कि राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है। चुनावी मौसम के दौरान नेताओं के विवादित बयान अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और उनका उद्देश्य जनता का ध्यान अपनी ओर खींचना भी होता है। ऐसे में अबू आजमी का यह बयान सियासी माहौल को गर्म करने और विरोधियों को चुनौती देने का माध्यम माना जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवनीत राणा के बयान के बाद अबू आजमी को राजनीतिक आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उनके समर्थक और विरोधी दोनों ही वर्गों में बहस चल रही है। सोशल मीडिया पर भी यह विषय तेजी से वायरल हुआ और लोगों ने अपने-अपने दृष्टिकोण साझा किए। कुछ लोग आजमी के बयान का समर्थन कर रहे हैं, जबकि अधिकतर लोग इसे गलत और असंवेदनशील करार दे रहे हैं।

भिवंडी में मराठी भाषा का महत्व केवल सांस्कृतिक नहीं बल्कि प्रशासनिक और शैक्षिक दृष्टि से भी अहम है। स्थानीय स्कूल, कॉलेज और सरकारी कार्यालयों में मराठी का व्यापक उपयोग होता है। ऐसे में किसी नेता का यह बयान शिक्षा और प्रशासन से जुड़ी भावनाओं को भी प्रभावित कर सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि नवनीत राणा का कड़ा रुख अबू आजमी के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। यह मामला केवल स्थानीय विवाद नहीं रहकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी सियासी चर्चाओं में शामिल हो गया है। चुनाव के दृष्टिकोण से यह बयान कई दलों के लिए रणनीतिक बदलाव का कारण बन सकता है।

समग्र रूप से देखा जाए तो भिवंडी में अबू आजमी का बयान महाराष्ट्र की राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संवेदनाओं को भड़काने वाला साबित हुआ है। नवनीत राणा की प्रतिक्रिया ने इसे और ज्यादा सुर्खियों में ला दिया है। इस विवाद का असर आने वाले दिनों में चुनावी रणनीतियों और राजनीतिक समीकरणों पर भी पड़ सकता है।

भिवंडी के लोग इस विवाद को लेकर चिंतित हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि राजनीतिक नेताओं द्वारा दिए गए बयान उनकी संस्कृति और भाषा के महत्व को प्रभावित न करें। ऐसे मामलों में संतुलित और संवेदनशील रुख ही स्थानीय शांति और समाज की एकता को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.